ज्ञानदीप

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2000 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860, टेलीग्राम: रेलपथ
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 15 | अंक – 58 | अप्रैल – जून 2011

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. दीक्षा समारोह
2. इरिसेन में रेल सप्ताह का आयोजन
3. आईपीडब्ल्युई (आई) सेमिनार
4. पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप पर विशेष पाठ्यक्रम
5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 111वीं बैठक
6. निकट भविष्य में आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
7. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्टता प्राप्त अधिकारी
8. बधाई
9. विदाई
10. स्वागत
11. श्रद्धाजंली
12. सृजन
13. क्या आप जानते हैं?

1. दीक्षा समारोह, आई.आर.एस.ई.बैच 2008



दीक्षा समारोह में श्री सी. पी. तायल, निदेशक एवं
श्री अजय गोयल, व प्रा. पुल



परिवीक्षार्थियों को पुरस्कार देते हुए
श्री. सी. पी. तायल, निदेशक, इरिसेन, पुणे

इरिसेन में दिनांक 03 जून, 2011 को आई.आर.एस.ई.बैच – 2008 के प्रशिक्षण समापन के अवसर पर दीक्षा समारोह आयोजित किया गया। यह एक नई पहल है। समारोह के मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक श्री सी.पी.तायल थे । आई.आर.एस.ई. बैच –2008 के सभी परिवीक्षार्थियों को निदेशक महोदय के कर–कमलों द्वारा स्मृति–चिन्ह एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। दीक्षा समारोह के अवसर पर निदेशक ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम सभी परिवीक्षार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने की बधाई दी।

निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि परिवीक्षार्थी प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात अपने तैनाती स्थान पर जा रहे हैं, जहां की परिस्थितियां प्रशिक्षण से बिल्कुल भिन्न होंगी। आप अपने साथ कार्य करने वालों को कैसे

संरक्षक
श्री चंद्र प्रकाश तायल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
नीलमणि
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, रेलपथ

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

प्रोत्साहित एवं प्रेरित करेंगे, टीम वर्क कैसे जेनरेट करेंगे, यह बहुत ही महत्वपूर्ण होगा आपका व्यवहार प्रतियोगात्मक नहीं बल्कि सहयोगात्मक होना चाहिए। अधीनस्थों के अनुभवों का लाभ उठाना आपका मकसद होना चाहिए। निदेशक, इरिसेन ने भिन्न–भिन्न उदाहरण देकर परिवीक्षार्थियों को फील्ड में काम करने के तौर–तरीके से अवगत कराया। किसी भी काम को सिलसिलेवार ढंग से करने के फायदे बताए तथा अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक विचार भरने की सलाह दी। काम में उत्पन्न बाधओं के निराकरण के लिए संस्थान के डिस्कसन मंच द्वारा या फोन के जरिए अपने से वरिष्ठों की नि:संकोच मदद लेने की भी सलाह दी। निदेशक ने अन्य विभागों की तुलना में रेलवे नेटवर्किंग सिस्टम की तारीफ की। आपने सिविल इंजीनियरों को अन्य विभागों से व्यावहारिक एवं व्यावसायिक संपर्क को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। अंत में सभी का धन्यवाद करते हुए निदेशक ने अपना संबोधन समाप्त किया।

2. इरिसेन में रेल सप्ताह का आयोजन



रेल सप्ताह समारोह का दृश्य

इरिसने में दिनांक 15 अप्रैल, 2011 को रेल सप्ताह मनाया गया। संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं इरिसेन कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रेल सप्ताह के इस पावन अवसर पर श्री सी..पी. तायल, निदेशक, इरिसेन ने सभी उपस्थित सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और इरिसेन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। रेल सप्ताह के अवसर पर निदेशक द्वारा समारोह में कुछ कर्मचारियों को कार्य की उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।

3. आईपीडब्ल्युई (आई) सेमिनार :

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 20 एवं 30 अप्रैल, 2011 का बेंगलुरू में ''रेल व्हील इंटरैक्शन इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ हैवी एक्सेल लोडिंग एंड मेकेनाईजेशन इन कन्स्ट्रक्शन ऑफ ट्रैक'' पर आयोजित आईपीडब्ल्युई (आई) सेमिनार में इरिसेन ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। तकनीकी प्रदर्शनी में संस्थान द्वारा प्रकाशित विभिन्न तकनीकी पुस्तकें, फिल्में एवं ई–लर्निंग सीडी को दिखाने के लिए इरिसेन का स्टॉल लगाया गया था। इरिसेन संकाय सदस्यों द्वारा पेपर भी प्रस्तुत किए गए जो निम्नानुसार है : श्री मनोज अरोरा, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ एवं एन. के. खरे, सह प्राध्यापक कार्य, द्वारा ''मैकेनाइज्ड लिंकिंग ऑफ ट्रैक'', श्री नीलमणि, प्राध्यापक रेलपथ द्वारा ''ट्रेकिंग एंड कर्विंग बाय रेलवे वेहिकल: इशु इन हैवी हाऊल'',।



निदेशक/इरिसेन श्री सी. पी. तायल, इरिसेन स्टॉल का निरीक्षण करते हुए

4. पब्लिक प्रायवेट पार्टनशिप पर विशेष पाठ्यक्रम

दिनांक 04,मई. से 06 मई 2011 तक पब्लिक प्रायेवट पार्टनशिप पर विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 20 प्रतिभागी उपस्थित हुए। पाठ्यक्रम में निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए – वरिष्ठ प्राध्यापक कार्य श्री एस.के. गर्ग द्वारा 'पीपीपी इन इन्फ्रास्ट्रक्चर ओव्हरव्यू एंड कन्सेप्ट,'' श्री संजीवन कापसे, कंन्सल्टेंट द्वारा ''बेसिक फायनान्शियल कन्सेप्ट टू अंडरस्टैड पीपीपी,'' श्री रघूराम प्राध्यापक–आईआईएम, अहमदाबाद द्वारा ''इंफ्रास्ट्रक्चर डेव्हल्पमेंट इन रेलवे थ्रू पीपीपी एंड इट्स नीड,'' श्री अनिल गुप्ता, महाप्रबंधक/आरएलडीए द्वारा पीपीपी – प्रोक्योरमेंट प्रोसेस बिडिंग एंड एमसीए, डेवलपमेंट ऑफ सैंड एंड मल्टीफंक्शनल कॉम्पलेक्सेस थ्रू प्रायवेट पार्टी'', श्री सुहमणयम, एल एंड टी, हैदराबाद द्वारा ''पीपीपी: एक्सपिरिएंस–कन्सेशनरीज पर्सपेक्टिव,'' अर्किता खंडुआल, महाप्रबंधक/आईडीबीआई, बैंक मुंबई द्वारा ''पीपीपी इन इन्फ्रास्ट्रक्चर, लेंडर पर्सपेक्टिव – डयू डिलीजेन्स एंड फायनान्शियल क्लोजर,'' इरिसेन संकाय द्वारा ''पीपीपी, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया पर्सपेक्टिव एंड पॉलिसी फ्रेमवर्क विथ इम्फेसिस ऑन इन्स्टिट्युशनल मेकेनिजम,'' श्री. वी. के. कालरा, (से.नि.) कार्य. निदे., एएआई ''पीपीपी: एक्सपीरिएन्स एन एयरपोर्ट सेक्टर'' इत्यादि।

5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 111वीं बैठक



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 111वीं बैठक का दृश्य

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 111वीं बैठक दिनांक 04 मई, 2011 को श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक

में अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। अध्यक्ष महोदय ने सर्वप्रथम हिंदी में अधिकाधिक काम करने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा पुरस्कृत प्राध्यपक रेलपथ एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री नीलमणि एवं श्री प्रदीप तावडे, तकनीशियन, कंप्यूटर अनुभाग को बधाई दी एवं सभी को प्रेरणा लेने की सलाह दी।

राजभाषा की प्रगति के विषय में आपने विस्तृत रुप से चर्चा की। आपने कहा कि तकनीकी क्षेत्रों में राजभाषा में किए गए छोटे–छोटे कार्य भी महत्वपूर्ण होते है। फाईलों पर हिंदी में प्रस्तुत टिप्पणियों की सराहना की तथा कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की। हिंदी के क्लिष्ट शब्दों के जाल में न उलझकर आम बोलचाल की सरल वाक्य रचना द्वारा राजभाषा के कार्य की सुचारुता एवं सहजता पर जोर दिया।

संस्थान के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ श्री नीलमणि ने बैठक में बताया कि प्रत्येक वर्ष संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर हिंदी में रुपांतरित एवं प्रकाशित तकनीकी पुस्तकों, हिंदी में डबिंग की गई तकनीकी फिल्मों इत्यादी का विमोचन किया जाता है। इसी परंपरा को जारी रखते हुए इस वर्ष स्थापना दिवस के अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ श्री मनोज अरोरा द्वार मूल रुप से हिंदी में लिखी पुस्तक 'टर्न आऊट' का विमोचन किया गया। पुस्तकालय में पाठक मंच की स्थापना हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सदस्यो को पुस्तकों के प्रति रुचि जगाने के प्रयास किए गए।

उप मुख्य राजभाषा अधिकारी ने बताया कि गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, हिंदी शिक्षण योजना, पुणे के प्रशिक्षण केंद्र में हिंदी भाषा एवं टायपिंग के प्रशिक्षण के लिए संस्थान से कर्मचारियों को प्रत्येक सत्र में भेजा जाता है। संस्थान के कार्यालय में अधिकांशत: कार्य पहले से ही हिंदी में किए जा रहे हैं। संस्थान में राजभाषा का प्रसार एवं प्रचार संतोषजनक है। इसी के साथ बैठक सार्थकतापूर्ण उद्देश्यों के साथ संपन्न हुई।

6. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	11424	पीएमसी/पीएसयू के लिए विशेष पाठ्यकम्रम	04/07/2011	22/07/2011
2	11306	सीपीडीई/सीई/कार्य के लिए सेमिनार	07/07/2011	08/07/2011
3	11303	पब्लिक प्रायवेट पाटर्शिप पर विशेष पाठ्क्रम	08/07/2011	08/07/2011
4	11204	वप्रश्रे अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	11/07/2011	19/08/2011
5	11205	हाईड्रालिक डिजाईन, ब्रिचेज डिजाईन एंड फ्लड्स एंड रिस्टोरेशन एंड टनलिंग पर विशेष पाठ्यक्रम	18/07/2011	22/07/2011
6	11305	उप मुख्य इंजी./नि. के लिए वर्कशॉप	21/07/2011	22/07/2011
7	11427	प्रोजेक्ट प्लानिंग एंड मेनेजमेंट पर विशेष पाठ्यक्रम	25/07/2011	29/07/2011
8	11428	रेल व्हील इंटरेक्शन एंड डीरेलमेंट पर विशेष पाठ्यक्रम	25/07/2011	29/07/2011
9	11006	भा.रे.इं. से. (परि.) 2009 परीक्षा (समूह बी) के लिए चरण–II पाठ्यक्रम	01/08/2011	20/10/2011
10	11005	भा.रे.इं. से. (परि.) २००९ परीक्षा (समूह बी) के लिए चरण–ठठ पाठ्यक्रम	01/08/2011	20/10/2011
11	11106	समेकित पाठ्यक्रम (रेलपथ)	22/08/2011	20/10/2011
12	11707	भा.रे.सि.इंजी. से. (परि.) के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	19/09/2011	23/09/2011
13	11603	ग्रेजुएट एंड एसएसई (पी.वे) के लिए विशेष पाठ्यक्रम	29/08/2011	09/09/2011
14	11308	सीटीई सेमिनार	15/09/2011	16/09/2011
15	1429	ठेका एवं विवाचन पर वप्रश्रे/चश्रे/अप्रश्रे के लिए विशेष पाठ्यक्रम	23/08/2011	26/08/2011
16	11309	प्रशिक्षण सेमिनार	22/09/2011	23/09/2011
17	11708	भा.रे.सि.इंजी.से. (परि.) के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	26/09/2011	30/09/2011

7. समेकित पाठ्यक्रम – प्रशिक्षण में उत्कृष्ट अधिकारी

i) **समेकित पाठ्यक्रम सं. 11103**

प्रथम : श्री राजकुमार, सहायक मंडल इंजीनियर, जयपुर, उत्तर पश्चिम रेल

द्वितीय : श्री प्रदीप कुमार शुक्ला, वरिष्ठ इंजी./टीपी, जबलपुर प.म.रे.

तृतीय : श्री जयंत कुमार कुंडू, सहायक मंडल इंजीनियर, गार्डन रिच, कोलकाता, दक्षिण पूर्व रेल

8. बधाई

रेलवे बोर्ड के दिनांक 20 अप्रैल, 2011 के पत्र सं. हिंदी – 2010/प्र–7/1 के अनुसार व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना के अंतर्गत 2010 में हिंदी में अधिकाधिक कार्य के लिए संस्थान के प्राध्यापक रेलपथ एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री नीलमणि तथा तकनीशियन श्री प्रदीप तावडे को 1500 का चेक एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सन्मानित किया गया है। इरिसेन आपको बधाई देता है।

9. स्वागत

अधिकारी



भा.रे.इं.से. के 1993 बैच के अधिकारी श्री शरद कुमार अग्रवाल ने जून, 2011 में प्राध्यापक, पुल का पदभार ग्रहण किया है। इसके पूर्व आप दक्षिण रेल, मुख्यालय में उप मुख्य इंजीनियर (योजना) के पद पर कार्यरत थे। आपने NIT इलहाबाद से बी.ई. (सिविल) तथा रुढकी से एम.ई. (सॉएल डायनेमिक्स) की उपाधि प्राप्त की। आपको ट्रैक, ब्रिज कंस्ट्रक्शन एवं मेन्टेनेंस पर विशेष अनुभव प्राप्त है। आपने दक्षिण रेल में सहा. इंजी. बंगरपेट, कार्यकारी इंजी. (नि.) कन्नुर, कार्यकारी इंजी. (एमटीपी) चेन्नई, मंडल इंजी. त्रिवेद्रम डिवीजन, उप मुख्य इंजी. (डिजाइन) एवं ट्रैक मशीन इत्यादि पदों पर कार्य किया।

कर्मचारी



श्री हरीश कुमार त्रिवेदी, जू. इंजी., मध्य रेल ने इरिसेन में दि. 18 अप्रैल, 11 को तकनीकी सहायक का पद भार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप डीजल लोको शेड, पुणे में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री राजदीप शर्मा, ने इरिसेन, छात्रावास में 13 जून, 2011 को तकनीकी सहायक का पदभार संभाल लिया है इसके पहले श्री शर्मा वरिष्ठ रेलपथ पर्यवेक्षक, मध्य रेल, वर्धा में थे। मध्य रेल, नागपुर मंडल के कमलेश्वर में वरिष्ठ रेलपथ पर्यवेक्षक के रुप में वष 2002 में आप रेल सेवा में आए। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

10. विदाई

अधिकारी



श्री वी.बी.सूद, प्राध्यापक–पुल, इरिसेन, पुणे का स्थानांतरण निदेशक/पुल एवं संरचना के पद पर आरडीएसओ/लखनऊ में हो गया है। दिनांक 01 अप्रैल, 2011 को उन्हे भारमुक्त कर दिया गया है। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।



संस्थान के सह प्राध्यापक श्री अरुण चांदोलीकर दिनांक 30 अप्रैल, 2011 को 40 वर्ष की रेल सेवा पूरी करने के उपरांत सेवा निवृत्त हुए। संस्थान की उन्नति में लगभग चौदह वर्षों का आपका योगदान स्मरणीय रहेगा। इरिसेन आपके सुखद एवं शांतिपूर्ण सेवनिवृत्त जीवन की कामना करता है।

कर्मचारी



संस्थान के श्री के.पी.धुमाल निजी सचिव दिनांक 31 मई, 2011 को 39 वर्ष की रेल सेवा पूरी करके सेवा निवृत्त हुए। संस्थान के कार्य में आपका योगदान लगभग 31 वर्षों का रहा। इरिसेन आपके सुखद एवं शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की कामना करते है।



संस्थान के सहा ग्रंथपाल श्री वसंत कुमार, का स्थानांतरण एवं पदोन्नति इरीन, नासिक रोड में सहा ग्रंथपाल एवं सूचना अधिकारी के पद पर हुआ है। दिनांक 12 फरवरी, 2011 को उन्हे भारमुक्त कर दिया गया था। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।



संस्थान के श्री धोडिंराम जगन्नाथ, हेल्पर खलासी दिनांक 30 अप्रैल, 2011 को 34 वर्ष की रेल सेवा पूरी करके सेवा निवृत्त हुए। इरिसेन आपके सुखद एवं शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की कामना करता है।

11. श्रद्धाजंली



सज्जन, स्नेहिल, मिलनसार, सौम्य व्यक्तित्व के धनी एवं इरिसेन परिवार के पूर्व संकाय सदस्य, श्री सुरेश गुप्ता का लगभग 52 वर्ष की आयु में दिनांक 07 मई, 2011 को निधन हो गया । श्री गुप्ता लगभग एक वर्ष से अस्वस्थ चल रहे थे । वे अपने पीछे पिता, पत्नी, पुत्र एवं पुत्री को छोड़ गए हैं । इरिसेन परिवार के सभी सदस्यों ने 09 मई, 2011 को संस्थान परिसर में शोक सभा आयोजित कर श्री गुप्ता को श्रद्धांजली दी । इरिसेन परिवार ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति दे एवं उनकी आत्मा को परम शांति दे।

12. सृजन

धन या धर्म :

मनुष्य के जीवन में धन नहीं, धर्म मुख्य होना चाहिए । धन धर्म की मर्यादा में रहकर मिलना चाहिए । धन की अपेक्षा धर्म सर्वथा श्रेष्ठ है । मनुष्य–जीवन में धन की आवश्यकता है, परंतु धन भौतिक सुख देता है, जबकि धर्म मन ही शांति देता है । धन तो अनेक बार दु:ख भी देता है । मनुष्य को धन प्राप्त करने में, उसको बढाने में, उसका रक्षण करने में तथा उसका उपयोग करने में भी पग–पग पर परिश्रम, त्रास तथा चिंता होती है । धन का नाश होने पर मनुष्य बहुत दु:खी हो जाता है । धन हो तो दु:ख है, न हो तो दुख है । जबकि धर्म तो इस जीवन को सुधारता है । धर्म इस लोक में शांति देता है और अंत में परमात्मा के चरणों में ले जाता है । धर्म ही मनुष्य का सच्चा धन है – उत्तम धन है । धर्म ही ही उसका सच्चा मित्र है, सच्चा बंधु है । कोई भी साथ न दे, सब साथ छोड़ दें तब भी धर्म साथ देता है । मरने के बाद धन साथ नहीं जाता, धर्म ही साथ जाता है ।

अपने बच्चों को धन का उत्तराधिकारी न बना सकें तो कोई बात नहीं, समस्त संस्कारों का अधिकारी बनाना है । संम्पत्ति से कदाचित थोड़ा सुख मिल सके, परंतु संस्कारों से बहुत शांति मिलती है । अच्छे संस्कारों से जो सुख मिलता है, वह संम्पत्ति से नहीं मिल सकता । पैसे से ही सुख मिलता है – ऐसा मनुष्य जब से समझने लगा है, तबसे पाप बढ गया है और जीवन में अशांति का प्रवेश हो गया है । पैसे को मुख्य मानने से थोड़ा सुख तो मिलता है परंतु संस्कार, सच्चा सुख, मित्रता और प्यार को आघात पहुंचता है जीवन की शांति भी चली जाती है । अत: मनुष्य को धर्म की मर्यादा में रहते हुए संयम, सच्चाई और सदाचार के मार्ग पर चलना चाहिए । इसी में सच्ची सुख–शांति है ।

'कल्याण' पत्रिका से साभार....

राजू जे. पाल.

राजभाषा सहायक

13. क्या आप जानते है ?

* इंटरनेट साईट 'गूगल (google)' नाम गणित के शब्द गूगोल (googol) से लिया गया है, जो 1 के आगे 100 शून्य वाले अंक को दर्शाता है।
* डिस्क रायटर 'नेरो, बर्निंग रोम (Nero)' का नाम रोम के राजा नेरो पर आधारित है, जब रोम जल रहा था तब नेरो बांसुरी बजा रहा था।
* शू कंपनी 'नाईके (Nike)' पौराणिक ग्रीक देवी के नाम पर आधारित है जो विजय की देवी थी।
* शू कंपनी 'रीबोक (reebok)' अफ्रीकी हिरन के नाम पर आधारित है।

लक्ष्यहीन चिंतन, श्रद्धा रहित नमन एवं विश्वासहीन वंदन मात्र आडंबर है।

– महात्मा गांधी

नीलमणि, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design at Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080